भारत सरकार
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय
भारी उद्योग विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2768
जिसका उत्तर बृहस्पतिवार 13 अगस्त, 2015 को दिया जाना है

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल लिमिटेड (बीएचईएल) के अध्यक्ष के कार्यकाल को बढ़ाया जाना

2768. श्री राज बब्बर:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि पूर्ववर्ती सरकार ने भारत हेवी इलेक्ट्रिकल लिमिटेड (बीएचईएल) के वित्तीय कार्यनिष्पादन में सुधार करने के उद्देश्य से इस उपक्रम के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के कार्यकाल को बढ़ाया था;

(ख) क्या यह भी सच है कि पिछली तीन तिमाहियों में बीएचईएल का वित्तीय कार्यनिष्पादन अत्यंत असंतोषजनक रहा है; और

(ग) यदि हां, तो बीएचईएल के अत्यंत खराब कार्यनिष्पादन हेतु जिम्मेदार चूककर्ता अधिकारियों के विरुद्ध सरकार द्वारा क्या कार्रवाई की गई है?

उत्तर
भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री
(श्री जी. एम. सिद्देश्वर)

(क): जी, हां। समग्र रूप से विद्युत क्षेत्र और विशेषकर बीएचईएल द्वारा उस समय सामना की जा रही प्रतिकूल आर्थिक स्थिति, जिसके कारण अपर्याप्त आर्डर बुकिंग; महत्वपूर्ण तथा गैर-महत्वपूर्ण, दोनों प्रकार के कारोबार में त्वरित विविधीकरण नीति शुरू करने की अत्यावश्यकता, जिससे ऐसे नाजुक समय पर शीर्ष नेतृत्व को जारी रखना अनिवार्य हो गया था, को ध्यान में रखते हुए एक विशेष मामले के रूप में बीएचईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक को उनकी अधिवर्षिता की तारीख 31.12.2013 से आगे 2 वर्ष का सेवा विस्तार सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से प्रदान किया गया था।

(ख) और (ग): कंपनी के नियंत्रण से परे विभिन्न बाह्य कारणों से प्रतिकूल कारोबार परिस्थितियों को देखते हुए, वर्ष 2013-14 से बीएचईएल के वित्तीय कार्य-निष्पादन में निम्नवत गिरावट आई है:

- भूमि, कोयला/ईंधन संपर्कों, पर्यावरणीय मंजूरी आदि जैसी समर्थकारी आवश्यकताओं की अनुपलब्धता/अधिप्राप्ति/कमी से संबंधित मसलों/अवरोधों के कारण घरेलू विद्युत सेक्टर बाजार में नए भुनाए जा सकने वाले अवसरों/परिपक्व हो रहे आर्डरों में कमी।
- ग्राहकों से संबंधित मसलों के कारण आर्डरों का स्थगित होना अथवा उन्हें रोक लिया जाना।

- कमजोर निवेश वातावरण तथा ऋण प्रदाता संस्थाओं की तरफ से वित्त देने में अड़चनें।
- भुगतान करने में उपभोक्ताओं की मजबूरियां जिससे कुछ विद्युत परियोजनाओं की प्रगति में रूकावट आई।
- विदेशी आपूर्तिकर्ताओं/विनिर्माताओं की तुलना में घरेलू उद्योग द्वारा सामना की जा रही अवसंरचना संबंधी कमियों सहित समान अवसरों की कमी।
- वैश्विक मंदी, राजनीतिक उथल-पुथल, सीरिया और यमन जैसे देशों में सशस्त्र संघर्ष जिसके फलस्वरूप निर्यात आदि के लिए मांग में कमी आई।

वर्तमान में संकुचित होते हुए बाजार की स्थिति पर काबू पाने की दृष्टि से बीएचईएल ने निम्नलिखित प्रमुख रणनीतियां तैयार की हैं:

- ग्राहकों को दिए जाने वाले प्रस्तावों का विस्तार करना और पूर्ण ईपीसी समाधान प्रदान करना।
- आयातित और स्वदेशी कोयला (मिश्रण की विस्तृत श्रेणी में) दोनों को फायर करने में सक्षम ईंधन फ्लैक्सीबल बॉयलर्स की पेशकश करना।
- कम समय में डिलीवरी के लिए वर्धित विनिर्माण कौशल (20,000 मेगावाट का विद्युत उपकरण प्रति वर्ष) का लाभ उठाना।
- प्रौद्यो-वाणिज्यिक इष्टतमीकरण पर कार्य करना।
- रक्षा, परिवहन, पारेषण और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में विविधीकरण को बढ़ाना।

प्रतिकूल बाह्य कारणों के बावजूद, बीएचईएल ने अपने प्रस्तावों का विस्तार करके वर्ष 2014-15 में अपने कुल 89% आर्डर ईपीसी आधार पर विद्युत क्षेत्र में प्राप्त किए हैं और लगातार दो वर्षों तक बाजार का 72% हिस्सा भी अपने पास बनाए रखा है।

******